क्षयरोग पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

क्षय रोग के निदान हेतु कौन-कौन सी जाँच की जाती है और वे कहाँ उपलब्ध हैं?

क्षय रोग के निदान हेतु यह जरूरी है कि जीवाणु का पता लगाने के लिए लगातार तीन दिन तक कफ की जाँच करवाई जाए। दिल्ली में डॉट्स केन्द्रों को विभिन्न स्थानों पर स्थापित किया गया है जहाँ पर क्षय रोगों की जाँच सुविधा नि:शुल्क रूप से उपलब्ध है।

जाँच के लिए, कफ को ठीक से खाँसने के बाद दिया जाना चाहिए। यह ध्यान रखना महत्त्वपूर्ण है कि कफ की जगह जाँच के लिए थूक न दिया जाए। यदि जाँच के लिए थूक चला जाए तो रोग का निदान नहीं हो सकेगा।

क्या क्षयरोग साध्य है?

जी हाँ, यदि पर्याप्त अवधि तक नियमित रूप से और लगातार उपचार लिया जाए तो यह रोग पूर्णत: साध्य है।

क्षयरोग के मरीज को किस प्रकार का भोजन दिया जाए?

अपनी रुचि के अनुसार क्षयरोगी किसी प्रकार का भोजन ले सकते हैं। उनके लिए किसी विशेष प्रकार के भोजन की आवश्यकता नहीं होती। ऐसे भोजन से जरूर बचना चाहिए जो व्यक्ति विशेष के लिए कोई समस्या पैदा करे।

डॉट्स क्या है?

क्षयरोग की चिकित्सा हेतु डॉट्स (डाइरेक्टली ऑब्जर्व्ड शॉर्ट कोर्स), अर्थात् सीधे तौर पर लिए जाने वाला छोटी अवधि का इलाज है। यह क्षयरोग की पहचान एवं चिकित्सा हेतु विश्वभर में प्राथमिक स्वास्थ केन्द्रों द्वारा अपनायी जाने वाली एक समग्र रणनीति का नाम है।

डॉट्स के क्या लाभ हैं?

- डॉट्स द्वारा चिकित्सकीय सफलता का स्तर 95% तक होता है।
- डॉट्स, रोग में त्वरित एवं सुनिश्चित लाभ की गारंटी देता है।
- डॉट्स, एचआईवी संक्रमित क्षयरोगियों के जीवन काल को बढ़ाता है।
- डॉट्स, चिकित्सकीय असफलता तथा अनेक दवाओं के लिए क्षयरोग के प्रतिरोधी हो जाने को रोकने हेतु रोगियों की उचित देखभाल तथा दवाओं की निर्बाध आपूर्ति को सुनिश्चित करता है।
- डॉट्स सभी स्वास्थ केंद्रों पर नि:शुल्क उपलब्ध हैं।

क्षयरोग तथा एचआईवी किस प्रकार संबंधित हैं?

क्षयरोग से कोई भी व्यक्ति संक्रमित हो सकता है किंतु एचआईवी-पीड़ित व्यक्ति के क्षयरोग से संक्रमित होने का खतरा बहुत अधिक होता है। यहाँ तक कि यदि आपको केवल क्षयरोग का संक्रमण हो, जीवाणु आपके शरीर में रह सकता है और यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है। एचआईवी के कारण आपके प्रतिरोधी तंत्र के कमजोर पड़ जाने से जीवाणु अपनी संख्या बढ़ाकर बहुगुणित हो सकते हैं और तब यह बढ़कर क्षयरोग बन जाता है।

क्षयरोगात काय करावे, काय टाळावे

करने योग्य	नहीं करने योग्य
यदि तीन अथवा अधिक सप्ताह से खाँसी हो रही हो तो कफ की दो बार जाँच करवाएँ। ये जाँच सरकारी कफ सूक्ष्मदर्शिकी केन्द्रों पर नि:शुल्क की जाती है।	यदि तीन सप्ताह या अधिक अवधि से खाँसी हो रही हो तो डॉक्टरी देखभाल को नजरअंदाज नहीं करें।
सभी दवाओं को नियमित रूप से, बताई गई पूरी अवधि तक लें।	क्षयरोग के निदान हेतु केवल एक्स-रे पर भरोसा न करें।
ध्यान रखें कि क्षयरोग पूर्णत: साध्य है।	जब तक आपके डॉक्टर न कहें तब तक दवा बंद न करें।
खाँसते या छींकते समय रूमाल का प्रयोग करें।	क्षयरोगियों के साथ भेद-भाव न बरतें।

Reference: Micromedex's Care Notes System Online 2.0